अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) वस्तु बोध की चार दृष्टियां कौन सी है?

(ख) वाक्गुप्ति की परिभाषा लिखें।

(ग) आठ कर्मों में बंधकारक कर्म कितने व कौन से?

(घ) मिथ्यादर्शन शल्य पाप क्या है?

(ड़) चार प्रकार के देवताओं के इन्द्र कितने होते हैं?

(च) तीर्थंकरों के प्रवचन अर्थागम क्यों कहलाते हैं?

(छ) कर्म की दस अवस्थाओं में नियति को व्याख्यायित करें।

(ज) भाव के कितने प्रकार व कौन-कौन से हैं?

(झ) कितने ज्ञान कर्मों के क्षयोपशम से प्राप्त होते हें?

(ञ) आहारक शरीर किन-किन को प्राप्त हो सकता है?

(ट) अरूपी अजीव तत्त्व के प्रकार बतायें।

(ठ) वर्गणा का अर्थ लिखें।

(ड) दर्शनावरणीय कर्म की कितनी व कौन सी प्रकृतियां हैं?

(ढ) छद्मस्थ अकषायी वीतराग किन-किन गुणस्थानों में होते हैं?

(ण) चार मूल आगमों के नाम लिखें।

(त) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष के प्रकारों के नाम लिखें।

(थ) नास्ति (अभाव) के प्रकार के नाम लिखें।

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) प्रत्याख्यान के दस प्रकारों का नामोल्लेख करते हुए संक्षेप में वर्णन करें।

(ख) आगम के दो प्रकार कौन से हैं? सविस्तार लिखें।

(ग) जन्म के प्रकारों को समझाएं।

(घ) कर्म बंध के कितने विकल्प बताये गये हैं? वर्णन करें।

(ड़) नौ कषाय को सविस्तार समझाएं।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) काय योग का सविस्तार वर्णन करें।

(ख) व्यवहार राशि एवं अव्यवहार राशि को विस्तार पूर्वक समझाएं।

(ग) समवाय को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों का विवेचन करें।

(घ) कारण किसे कहते हैं? भेद सहित सविस्तार वर्णन करें।

तत्त्व-चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दें– 10

(क) आश्रव सावद्य या निरवद्य?

(ख) जीव आज्ञा में या आज्ञा के बाहर?

(ग) कर्मों को बांधने वाला छः में कौन? नौ में कौन?

(घ) पुद्गलास्तिकाय में कितने वर्ण होते हैं?

(ड़) धर्म छः में कौन? नौ में कौन?

(च) जीवास्तिकाय छः में कौन? नौ में कौन?

(छ) अधर्म जीव या अजीव?

(ज) नौ तत्त्वों में आज्ञा में कितने? आज्ञा के बाहर कितने?

(झ) अधर्म और अधर्मी एक या दो?

(ञ) सिद्ध भगवान सूक्ष्म या बादर?

(ट) हमारे में उपयोग कितने?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) पुण्य, धर्म आदि एक या दो?

(ख) अरिहंत भगवान की पृच्छा।

(ग) विविध विषयों पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व पर चर्चा।

(घ) निरवद्य पर चर्चा।

(ड़) नौ तत्त्वों पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व।

(च) नौ तत्त्वों पर रूपी-अरूपी।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) हे प्राणी! तुम्हें.....कैसे प्राप्त हो?..... के आचार से तू अनभिज्ञ है,..... की तुझे पहचान नहीं है, ... का तू नाम नहीं जानता, फिर भी बहुत बड़ा अभिमान करता है।

(ख) निरवद्य कार्य से कौन-कौन सी चीजें फलित होती है?

(ग) देवता किसे विचलित नहीं कर सकते?

(घ) मिथ्यात्वी (सम्यक्त्व आये बिना) जीव किस देवलोक तक जा सकते हैं?

(ड़) ...., ये चार मोक्ष के मार्ग हैं, पर सुपात्र दान को समझे बिना जीव का किंचित भी प्रयोजन सिद्ध नहीं होता।

(च) जहां..... नहीं है, वहां धर्म का अंश भी नहीं है, यह समझ कर हे नर नारियों! मन में विचार अनुप्रेक्षा करें।

प्र. 7 कोई तीन पद्यों को अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) द्रव्य खेतर.....पाई रे।

(ख) नव तत्त्व.....विशेष।

(ग) जीव न.....नहराई रे।

(घ) नव तत्त्व.....नीं बात।

(ड़) हाड़ मिंजां.....अवतार।